University of Mumbai

No. UG/24of 2020-21

CIRCULAR:-

Attention of the Principals of the Affiliated Colleges, the Head of the University Departments and Directors of the recognized Institutions in Humanities Faculty is invited to this office circular No.UG/20 of 2015-16, dated 17th July, 2015 relating to the revised syllabus for the M.Phil degree course in Hindi for paper - I.

They are hereby informed that the recommendations made by the Board of Studies in Hindi at its online meeting held on 7th April, 2020 vide item No. 1 and subsequently made by the Board of Deans at its meeting held on 26th June, 2020 vide item No. 11 (31) have been accepted by the Academic Council at its meeting held on 23rd July, 2020 vide item No. 4.51 and that in accordance therewith, the revised syllabus of M. Phil. in Hindi has been brought into force with effect from the academic year 2020 -21 accordingly. (The same is available on the University's website www.mu.ac.in).

MUMBAI – 400 032
11th November, 2020

(Dr. Vinod Patil)
I/c REGISTRAR

To

The Principals of the Affiliated Colleges, the Head of the University Departments and Directors of the recognized Institutions in Humanities Faculty. (Circular No. UG/334 of 2017-18 dated 9th January, 2018.)

A.C/4.51/23/07/2020

****

No. UG/24 -A of 2020-21 MUMBAI-400 032 11th November, 2020

Copy forwarded with Compliments for information to:-

1) The Dean, Faculty of Humanities,
2) The Chairman, Board of Studies in Hindi,
3) The Director, Board of Examinations and Evaluation,
4) The Director, Board of Students Development,
5) The Co-ordinator, University Computerization Centre,

(Dr. Vinod Patil)
I/c REGISTRAR

Copy to :-

1. **The Director of Board of Student Development.,**
2. **The Deputy Registrar (Eligibility and Migration Section)**
3. **The Director of Students Welfare,**
4. **The Executive Secretary to the to the Vice-Chancellor,**
5. **The Pro-Vice-Chancellor**
6. **The Registrar and**
7. **The Assistant Registrar, Administrative sub-centers, Ratnagiri, Thane & Kalyan, for information.**

1. **The Director of Board of Examinations and Evaluation**
2. **The Finance and Accounts Officers**
3. **Record Section**
4. **Publications Section**
5. **The Deputy Registrar, Enrolment, Eligibility and Migration Section**
6. **The Deputy Registrar (Accounts Section), Vidyanagari**
7. **The Deputy Registrar, Affiliation Section**
8. **The Professor-cum- Director, Institute of Distance and Open Learning Education,**
9. **The Director University Computer Center (IDE Building), Vidyanagari,**
10. **The Deputy Registrar (Special Cell),**
11. **The Deputy Registrar, (PRO)**
12. **The Deputy Registrar, Academic Authorities Unit (1 copies) and**
13. **The Assistant Registrar, Executive Authorities Unit**

They are requested to treat this as action taken report on the concerned resolution adopted by the Academic Council referred to in the above circular and that on separate Action Taken Report will be sent in this connection.

1. **The Assistant Registrar Constituent Colleges Unit**
2. **BUCTU**
3. **The Deputy Accountant, Unit V**
4. **The In-charge Director, Centralize Computing Facility**
5. **The Receptionist**
6. **The Telephone Operator**
7. **The Secretary MUASA**
8. **The Superintendent, Post-Graduate Section**
9. **The Superintendent, Thesis Section**

for information.

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus and Pattern of Question Paper in the Subject of Hindi at the

M.Phil. Examination

Choice Based Credit System (CBCS)

Semester I & II

(With effect from the Academic Year: 2020-2021)

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus in the Subject of Hindi at the

M.Phil. Examination

Choice Based Credit System (CBCS) Semester I & II

(With effect from the Academic Year: 2020-2021)

हिन्दी अध्ययन मण्डल

अध्यक्ष : डॉ. अनिल कुमार सिंह

1. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय (सदस्य)
2. डॉ. हूबनाथ पाण्डेय (सदस्य)
3. डॉ. विद्या शिंदे (सदस्य)
4. डॉ. शीला आहूजा (सदस्य)
5. डॉ. चित्रा गोस्वामी (सदस्य)
6. डॉ. संतोष मोटवानी (सदस्य)
7. डॉ. प्रकाश धुमाल (सदस्य)
8. डॉ. गौतम सोनकांबले (सदस्य)
9. डॉ. मोहसिन ख़ान (सदस्य)

पाठ्यक्रम समिति

1. **डॉ. हूबनाथ पांडेय (समन्वयक)**
२. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय (सदस्य)
३. डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर (सदस्य)
४. डॉ. बिनीता सहाय (सदस्य)
५. डॉ. सचिन गपाट (सदस्य)
६. डॉ. सुनील वलवी (सदस्य)
७. डॉ. शाहू मधाले (सदस्य)
८. डॉ. भाग्यश्री वर्मा (सदस्य)
९. डॉ. सदानंद भोसले (सदस्य)

मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई

मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई

एम. फिल हिंदी

(With effect from the Academic Year: 2020-2021)

Choice Based Credit System(CBCS)

के अनुसार संशोधित पाठ्यक्रम

निर्देश

१. यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित Choice based credit system के अनुसार बनाया गया है|

२. इस पाठ्यक्रम के तहत प्रथम और द्वितीय प्रश्नपत्र अनिवार्य होंगे तथा तृतीय प्रश्नपत्र समूह में से किसी एक का चयन करना होगा|

३. संपूर्ण पाठ्यक्रम दो सत्रों में विभाजित किया गया है| प्रत्येक सत्र में प्रत्येक प्रश्नपत्र कुल ४ श्रेयांकों का होगा| इस तरह ३ प्रश्नपत्र १२ श्रेयांकों के हुए| दोनों सत्र मिलाकर २४ श्रेयांकों का पाठ्यक्रम शोधार्थी को पूरा करना होगा|

४. प्रत्येक सत्र में प्रत्येक प्रश्नपत्र की ७५ अंकों की संत्रात लिखित परीक्षा होगी तथा प्रत्येक प्रश्नपत्र का २५ अंकों का आंतरिक मूल्यांकन इस प्रकार होगा -

क. प्रकल्प - १५ अंक

ख. कक्षा में सक्रिय सहभाग - ०५ अंक

ग. प्रस्तुतिकरण - ०५ अंक

५. दोनों ही सत्रों के सभी प्रश्नपत्रों में उत्तीर्ण होने के पश्चात शोधार्थी को लगभग १०० पृष्ठों का टंकित लघुशोध-प्रबंध विभाग द्वारा आबंटित प्राध्यापक के मार्गदर्शन में पूर्ण करना होगा जिसका १०० अंकों का मूल्यांकन उस विषय के विशेषज्ञ बाहय परीक्षक द्वारा कराया जाना अभीष्ट है|

६. लघु-शोध प्रबंध के मूल्यांकन के पश्चात एक बाहय परीक्षक की उपस्थिति में शोधार्थी का १०० अंकों की खुली मौखिकी में उत्तीर्ण होना अपेक्षित है|

७. पाठ्यक्रम को यथासंभव अद्यतन एवं अकादमिक स्तर पर उत्कृष्ट बनाने का प्रयास किया गया है|

-----*----*----*----*-----*----

प्रश्न पत्र – १

शोध - प्रविधि एवं प्रक्रिया

(प्रथम सत्र) **श्रेयांक ४**

उद्देश्य : १. शोध की अवधारणा स्पष्ट करना
२. शोध प्रविधि का परिचय कराना
३. शोध प्रक्रिया की जानकारी देना
४. सार्थक और सोद्देश्य शोध का मार्ग प्रशस्त करना

इकाई - १ शोध : अवधारणात्मक परिचय (Research) **श्रेयांक – ०१**

१.१ शोध : अर्थ, अवधारणा, स्वरूप एवं तत्त्व
१.२ शोध के क्षेत्र
१.३ शोध की प्रकृति
१.४ शोध की विशेषताएँ
१.५ शोध आलेख

इकाई - २ शोध प्रविधि (Research medhodology) **श्रेयांक – ०१**

२.१ सर्वेक्षणात्मक
२.२ तुलनात्मक
२.३ ऐतिहासिक
२.४ व्यावहारिक
२.५ अंतर्विद्यावर्ती

इकाई - ३ शोध अभिकल्प (Reasarch Design) **श्रेयांक – ०१**

३.१ अर्थ एवं परिभाषा
३.२ स्वरूप एवं विशेषताएँ
३.३ उद्देश्य
३.४ वर्गीकरण :
३.४.१ अन्वेषणात्मक
३.४.२ वर्णनात्मक
३.४.३ निदानात्मक
३.४.४ परिक्षणात्मक

इकाई - ४ परिकल्पना (Hypothesis) **श्रेयांक – ०१**

४.१ अर्थ एवं परिभाषा
४.२ परिकल्पना के स्रोत
४.३ स्वरूप एवं विशेषताएँ
४.४ परिकल्पना के प्रकार
४.५ शोध में परिकल्पना का महत्त्व

प्रश्न पत्र – १
शोध - प्रविधि एवं प्रक्रिया
द्वितीय सत्र

कुल श्रेयांक – ०४

इकाई - ५ पाठानुसंधान **श्रेयांक – ०१**

५.१ अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं महत्व
५.२ पाठानुसंधान की विधियाँ
५.३ पाठानुसंधान : विश्लेषणात्मक अध्ययन
५.४ पाठ चयन
५.५ पाठ सुधार एवं पाठ निर्णय

इकाई - ६ शोधार्थी **श्रेयांक – ०१**

६.१ शोधार्थी के गुण
६.२ शोधार्थी की सीमाएँ
६.३ शोधार्थी का सामर्थ्य
६.४ शोध एवं समीक्षा
६.५ शोध संबंधी समस्याएँ : निदान तथा समाधान

इकाई - ७ शोध प्रक्रिया **श्रेयांक – ०१**

७.१ विषय चयन
७.२ शोध समस्या : परिकल्पना
७.३ शोध समस्या का निदान
७.४ तथ्यों का वर्गीकरण एवं विश्लेषण
७.५ तथ्य संकलन के स्रोत

इकाई - ८ शोध की रुपरेखा **श्रेयांक – ०१**

८.१ शोध - रूपरेखा : तत्त्व एवं महत्त्व
८.२ शोध - शीर्षक एवं उपशीर्षक विभाजन
८.३ शोध की भाषा
८.४ शोध प्रबंध लेखन की पद्धति
८.५ शोध संबंधी वैधानिक प्रावधान

संदर्भ ग्रंथ :

१. शोध-प्रविधि – डॉ. विनय मोहन शर्मा

२. अनुसंधान की प्रक्रिया – सं.डॉ.सावित्री सिन्हा / विजयेंद्र स्नातक

३. अनुसंधान का विवेचन – डॉ. उदयभानु सिंह

४. अनुसंधान – डॉ. सत्येंद्र

५. साहित्य, सिद्धांत और शोध – डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित

६. नवीन शोध विज्ञान – डॉ. तिलक

७. साहित्यिक शोध के सिद्धांत एवं समस्याएँ – डॉ. देवराज उपाध्याय / डॉ. रामगोपाल शर्मा

८. अनुसंधान का स्वरूप – सं.डॉ.सावित्री सिन्हा

९. शोध-प्रविधि और प्रक्रिया – रावत तथा खंडेलवाल

१०. अनुसंधान के मूल तत्त्व – सं. विश्वनाथ प्रसाद

११. शोध-प्रक्रिया एवं विवरणिका – डॉ. सरनाम सिंह शर्मा 'अरुण'

१२. शोध, तत्त्व और दृष्टि – डॉ. खंडेलवाल

१३. अनुसंधान और आलोचना – डॉ. नगेंद्र

१४. पाठानुसंधान – डॉ. विमलेक्षा कांति

१५. पाठानुसंधान – डॉ. कन्हैया सिंह

१६. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप – डॉ. सुमन राजे

१७. शैली विज्ञान और आलोचना की नई भूमिका – डॉ. रवींद्र श्रीवास्तव

१८. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया – डॉ. राजेंद्र मिश्र

१९. अनुसंधान प्रविधि – डॉ. गणेशन

२०. हिंदी अनुसंधान – डॉ. विजयपाल सिंह

२१. पांडुलिपि विज्ञान – डॉ. सत्येंद्र

२२. पाठानुसंधान – डॉ. सियाराम तिवारी

२३. शैली विज्ञान – डॉ. नगेंद्र

२४. रीति विज्ञान – डॉ. विद्यानिवास मिश्र

२५. शैली विज्ञान – डॉ. सुरेशकुमार

२६. शैली और शैली विश्लेषण – डॉ. पांडेय शशिभूषण 'शीतांशु'

२७. हिंदी भाषा : संदर्भ और संरचना – प्रो.सूरजभान सिंह

२८. कंप्यूटर और हिंदी – डॉ. हरिमोहन

प्रश्न पत्र : दो
हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
(प्रथम सत्र) श्रेयांक – ०४

उद्देश्य : १. साहित्य और विचारधारा के अंत:संबंधों की स्थापना
२. हिंदी साहित्य की वैचारिक विरासत की समीक्षा
३. भारतीय चिंतन प्रवाह से परिचय कराना
४. चिंतन की पृष्ठभूमि में साहित्य की सार्थक समझ विकसित करना

इकाई – १ विचार और साहित्य **श्रेयांक – ०१**

१.१ विचार : अर्थ, स्वरूप एवं महत्त्व
१.२ विचार और कथा साहित्य
१.३ विचार और काव्य
१.४ विचार और नाट्यलेखन
१.५ विचार और कथेतर गद्य

इकाई – २ मध्यकालीन चिंतन पद्धतियाँ **श्रेयांक – ०१**

२.१ मध्यकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियाँ
२.२ सिद्ध एवं नाथ पंथ
२.३ संत मत
२.४ सूफी मत
२.५ वैष्णव मत

इकाई – ३ नवजागरणकालीन चिंतन **श्रेयांक – ०१**

३.१ नवजागरण : अर्थ, स्वरूप, विशेषताएँ
३.२ भारतीय नवजागरण : उद्भव और विकास
३.३ नवजागरण के मूल सिद्धांत
३.४ नवजागरण चिंतन –
३.४.१ ब्राह्मो समाज
३.४.२ प्रार्थना समाज
३.४.३ आर्य समाज
३.४.४ सत्यशोधक समाज
३.४.५ रामकृष्ण मिशन
३.४.६ थियोसॉफिकल सोसायटी

इकाई – ४ आधुनिकता बोध **श्रेयांक – ०१**

४.१ आधुनिकता : अवधारणा, स्वरूप, तत्त्व एवं महत्त्व
४.२ आधुनिकता : उदभव और विकास
४.३ आधुनिकता बनाम पश्चिमीकरण
४.४ आधुनिकता और शहरीकरण
४.५ आधुनिकता और मूल्यबोध

प्रश्न पत्र : दो
हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
(द्वितीय सत्र) श्रेयांक – ०४

इकाई – ५ स्वाधीनता आंदोलन **श्रेयांक – ०१**

५.१ १८५७ की क्रांति
५.२ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
५.३ भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन
५.४ ख़िलाफ़त एवं असहयोग आंदोलन
५.५ किसान एवं मज़दूर आंदोलन

इकाई – ६ आधुनिक चिंतन धाराएँ **श्रेयांक – ०१**

६.१ गांधीवाद
६.२ आंबेडकरवाद
६.३ मार्क्सवाद
६.४ अस्तित्ववाद
६.५ मनोविश्लेषणवाद

इकाई – ७ आधुनिक हिंदी साहित्य का बोध पक्ष **श्रेयांक – ०१**

७.१ ग्राम बोध
७.२ नगर बोध
७.३ विश्व बोध
७.४ लिंग बोध (Gender)
७.५ वर्ण बोध (Ca)

इकाई – ८ समकालीन विमर्श **श्रेयांक – ०१**

८.१ स्त्री विमर्श
८.२ दलित एवं आदिवासी विमर्श
८.३ अल्पसंख्यक विमर्श
८.४ किन्नर विमर्श
८.५ पर्यावरण विमर्श

संदर्भ :

१. समकालीन विचारधाराएँ और साहित्य – डॉ. राजेंद्र मिश्र

२. महात्मा गांधी : जीवन और दर्शन – रामलाल विवेक

३. गांधी : विचार और दृष्टि – हरदान हर्ष

४. मध्ययुगीन हिंदी काव्य में वैष्णव संस्कृति और समाज - नागेंद्र सिंह

५. आधुनिक भावबोध – डॉ. पी.वी. कृष्णनायर

६. भारतीय नवजागरण : प्रणेता तथा आंदोलन – गौरीशंकर भट्ट

७. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह 'दिनकर'

८. मार्क्सवाद – यशपाल

९. मार्क्सवादी सहित्य चिंतन – डॉ. शिवकुमार मिश्र

१०. मार्क्सवाद क्या है? – एमिल बर्न्स (हिंदी-अनुवाद – ओमप्रकाश सेंगर)

११. आधुनिक भावबोध की संज्ञा – अमृतराय

१२. आधुनिकता और हिंदी साहित्य – इंद्रनाथ मदान

१३. आधुनिकता और आधुनिक बोध – देवेंद्र इस्सर

१४. आधुनिक हिंदी कविता का वैचारिक पक्ष – डॉ. रतनकुमार पांडेय

१५. विचार और अनुभूति – डॉ. नगेंद्र

१६. फ्रायड : मनोविज्ञान – देवेंद्र कुमार (अनुवाद)

१७. आधुनिक भारतीय चिंतन – विश्वनाथ नरवणे

१८. आधुनिक सामाजिक आंदोलन और आधुनिक हिंदी साहित्य – कृष्णबिहारी मिश्र

१९. भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन का इतिहास – मन्मथनाथ गुप्त

२०. परंपरा का मूल्यांकन – डॉ. रामविलास शर्मा

२१. भारतीय दलित साहित्य : परिप्रेक्ष्य – सं. पुन्नी सिंह

२२. स्त्री और स्त्री विमर्श – क्षमा शर्मा

२३. उत्तर आधुनिक विमर्श – डॉ. सुधीश पचौरी

२४. मध्यकालीन काव्य : चिंतन और संवेदना - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२५. कृति-विकृति, संस्कृति – डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र

२६. हिंदी साहित्य : संवेदनाओं की विवेचना – डॉ. सचिन गपाट

२७ . हिंदी साहित्य वर्णित सांप्रदायिकता का स्वरूप – डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर

प्रश्न पत्र : तीन (३.१)
साहित्य तथा साहित्येतर विद्याशाखाओं का अंत:संबंध
प्रथम सत्र

श्रेयांक – ०४

उद्देश्य : १. साहित्य की व्याप्ति का परिचय कराना
२. अन्य विद्याशाखाओं के बरक्स साहित्य का मूल्यांकन
३. विद्याशाखाओं के एकत्व एवं वैविध्य का विवेचन

इकाई १ साहित्य का अवधारणात्मक परिचय **श्रेयांक – ०२**

१.१ साहित्य : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप
१.२ साहित्य के तत्त्व
१.३ साहित्य का व्याकरण
१.४ साहित्य का उद्देश्य
१.५ साहित्य के प्रयोजन

इकाई २ साहित्य और समाज विज्ञान **श्रेयांक – ०२**

२.१ साहित्य और इतिहास
२.२ साहित्य और समाजशास्त्र
२.३ साहित्य और अर्थशास्त्र
२.४ साहित्य और मनोविज्ञान
२.५ साहित्य और दर्शनशास्त्र

प्रश्न पत्र : तीन (३.१)
साहित्य तथा साहित्येतर विद्याशाखाओं का अंत:संबंध
(द्वितीय सत्र) श्रेयांक – ०४

इकाई ३ साहित्य और भाषा विज्ञान **श्रेयांक – ०२**

३.१ साहित्य और भाषा
३.२ साहित्य और शैली विज्ञान
३.३ साहित्य और व्याकरण शास्त्र
३.४ साहित्य की भाषिक प्रयुक्तियाँ
३.५ साहित्य और मिथक

इकाई ४ साहित्य और अन्य विद्याशाखाएँ **श्रेयांक – ०२**

४.१ साहित्य और विज्ञान
४.२ साहित्य और सिनेमा
४.३ साहित्य और सौंदर्यशास्त्र
४.४ साहित्य और सूचना प्रौद्योगिकी
४.५ साहित्य और धर्म

संदर्भ ग्रंथ :

१. मनोवैज्ञानिक एवं मिथकीय समीक्षा – डॉ. पांडेय शशिभूषण 'शीतांशु'

२. आस्था और सौंदर्य – डॉ. रामविलास शर्मा

३. भाषा और समाज – डॉ. रामविलास शर्मा

४. साहित्य और इतिहास दृष्टि – डॉ. मैनेजर पांडेय

५. मानव मूल्य और साहित्य – डॉ. धर्मवीर भारती

६. नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – गजानन माधव मुक्तिबोध

७. भाषा और संवेदना – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

८. आधुनिक कथा साहित्य और मनोविज्ञान – डॉ. देवराज उपाध्याय

९. स्वतंत्र कलाशास्त्र भाग १-२ – डॉ. कांतिचंद्र पांडेय

१०. मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र – सं. ज्ञानरंजन व कमला प्रसाद पांडेय

११. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप – डॉ. सुमन राजे

१२. आधुनिक मनोविज्ञान जिज्ञासा – डॉ. गंगाधर झा

१३. अथातो सौंदर्य जिज्ञासा – डॉ. रमेशकुंतल मेघ

१४. यथार्थवाद – डॉ. शिवकुमार मिश्र

१५. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – डॉ. मैनेजर पांडेय

१६. साहित्य का भाषिक चिंतन – डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

१७. साहित्य का समाजशास्त्र – डॉ. नगेंद्र

१८. साहित्य और संस्कृति के सरोकार - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

१९. भाषा और प्रोद्योगिकी – डॉ. विनोद कुमार प्रसाद

२०. हिंदी आलोचना : समकालीन परिदृश्य – डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल

२१. मीडिया और समाज – लक्ष्मेंद्र चोपड़ा

२२. धर्म का मर्म – डॉ. अखिलेश मिश्र

२३. सौंदर्यशास्त्र के तत्त्व – डॉ. कुमार विमल

२४. नए जन माध्यम और हिंदी – डॉ. सुधीश पचौरी

२५. मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना – डॉ. पांडेय शशिभूषण 'शीतांशु'

२६. कथा, पटकथा, संवाद – डॉ. हूबनाथ पांडेय

२७. सिनेमा, समाज और साहित्य – डॉ. हूबनाथ पांडेय

२८. जनसंचार और मीडिया लेखन – डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर

प्रश्न पत्र : तीन (३.२)
समकालीन समीक्षा सिद्धांत
(प्रथम सत्र) श्रेयांक - ०४

उद्देश्य : १. साहित्य के मूल्यांकन आस्वादन की अद्यतन प्रवृत्तियों का परिचय
२. भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य चिंतन की वर्तमान प्रविधियों का सामान्य ज्ञान
३. शोधार्थियों के साहित्यिक क्षितिज का विस्तार करना

इकाई १ साहित्य का आस्वादन : सिद्धांत और स्वरूप **श्रेयांक - ०१**

१.१ सहृदय की अवधारणा
१.२ रसानुभूति एवं समीक्षा
१.३ स्वच्छंदतावादी रसानुभूति
१.४ कलावादी रसानुभूति
१.५ काव्यवैशिष्ट्य एवं आस्वादन

इकाई २ उत्तर आधुनिकता
श्रेयांक - ०१

२.१ आधुनिकता पूर्व, आधुनिकता तथा उत्तर आधुनिकता
२.२ उत्तर आधुनिकतावाद
२.२.१ ल्योतार
२.२.२ जेमसन
२.२.३ हॉबरमास
२.३ मूल्यबोध की यादृच्छिकता
२.४ वैज्ञानिक ज्ञान की सापेक्षता
२.५ भारतीय संदर्भ में उत्तर आधुनिकता

इकाई ३ संरचनावाद और चिह्नात्मकता
श्रेयांक - ०१

३.१ सोस्यूर, भाषा विज्ञान और चिह्नमीमांसा
३.२ याकबसन तथा प्राग प्रणाली : शैली विचार
३.३ संरचनावादी चिह्नमीमांसा
३.३.१ लेवी स्त्रॉस
३.३.२ रोलाँ बार्थ

३.४ संरचनावादी साहित्यशास्त्र

३.५ संरचनावाद की सीमाएँ

इकाई ४ उत्तर संरचनावाद

श्रेयांक - ०१

४.१ उत्तर संरचनावादी विचारक

४.२ विमर्श का जन्म

४.३ इतिहास, ज्ञान सृजन तथा पुरातत्व

४.४ मिशेल फूको के सिद्धांत

४.५ देरिदा और विखंडन

प्रश्न पत्र : तीन (३.२)
समकालीन समीक्षा सिद्धांत
(द्वितीय सत्र) श्रेयांक - ०४

इकाई ५ मार्क्सवाद : अद्यतन

श्रेयांक - ०१

५.१ कार्ल मार्क्स : जीवन परिचय

५.२ हेगल : मार्क्सवाद की नींव

५.३ मार्क्सवादी समीक्षा

५.३.१ यूरोपीय मार्क्सवाद

५.३.२ फ्रेंकफर्ट प्रणाली

५.३.३ संरचनावाद और मार्क्सवाद

५.४ अनुप्रयुक्त मार्क्सवादी समीक्षा

५.५ हिंदी में मार्क्सवादी समीक्षा

इकाई ६ मनोविश्लेषणवाद

श्रेयांक - ०१

६.१ सिग्मंड फ्रायड - मनोविश्लेषण

६.२ कार्ल युंग - सामूहिक अवचेतन

६.३ जॅक लाका - भाषा और अवचेतन

६.४ जूलिया क्रिस्तेवा - स्त्रीत्व, भाषा और अवचेतन

६.५ अनुप्रयुक्त मनोविश्लेषणवाद

इकाई ७ नारीवाद और लिंग भेद

श्रेयांक - ०१

७.१ लिंग भेद : अधिकार और सिद्धांत

७.२ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

७.३ नारीविषयक सैद्धांतिकी के आयाम

७.४ पुरुषप्रधान सौंदर्यशास्त्र और स्त्रीत्व

७.५ नारीवादी समीक्षा का सत्य

इकाई ८ उत्तर उपनिवेशवाद तथा सांस्कृतिक समीक्षा

श्रेयांक - ०१

८.१ उपनिवेशवाद तथा उत्तर उपनिवेशवाद

८.२ साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद

८.३ उत्तर उपनिवेशवाद की सैद्धांतिक पृष्ठभूमि

८.३.१ महात्मा गांधी

८.३.२ फ्रांटज फनॉ

८.३.३ अंतोनियो ग्राम्शी

८.४ संस्कृति, इतिहास और राजनीति

८.५ सांस्कृतिक अध्ययन की सीमाएँ और सामर्थ्य

संदर्भ ग्रंथ :

१. आधुनिक समीक्षा सिद्धांत - मिलिंद मालशे/ अशोक जोशी

२. आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता एवं नव-समाजशास्त्रीय सिद्धांत - एस.एल.दोषी

३. उत्तर आधुनिकता : बहुआयामी संदर्भ - शशिभूषण शीतांशु

४. आलोचना के नये परिप्रेक्ष्य - मनोज पांडेय

५. साहित्य-सिद्धांत - रेनेवेलेक - ऑस्टिन वारेन

६. संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र - गोपीचंद नारंग

७. पाश्चात्य कव्यचिंतन - डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय

८. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन - शिवकुमार मिश्रा

९. मनोविश्लेषण - सिगमंड फ्रायड

१०. यौन मनोविज्ञान - हैवलॉक एलिए

११. स्त्री उपेक्षिता - सीमोन द बोउवा

१२. बधिया स्त्री - जर्मेन ग्रीयर

१३. हम हिंदुस्तानी - सुधीर कक्कड़

१४. भारतीय मध्यवर्ग की अजीब दास्तान - पवन कुमार वर्मा

१५. कार्ल मार्क्स जीवन परिचय - शंकर दयाल तिवारी - लेफ्टवर्ड बुक्स

प्रश्नपत्र : ३ (३.३)

भारतीयता एवं भारतीय साहित्य

प्रथम सत्र **इकाई - ०४**

उद्देश्य : १. भारतीयता की अवधारणा स्पष्ट करना

२. भारतीय साहित्य की अवधारणा को समझाना

३. भारतीय साहित्य के प्रति रुचि विकसित करना

४. भारतीयता की भावना को बढ़ावा देना

५. भारतीय परिवेश के संदर्भ में भारतीय साहित्य का मूल्यांकन करना

इकाई १ भारतीयता

श्रेयांक - ०१

१.१ भारतीयता की अवधारणा और अर्थ

१.२ भारतीयता की परंपरा

१.३ भारतीयता के मूल तत्त्व

१.४ भारतीयता और विश्वबंधुत्व

१.५ भारतीयता और भारतीय साहित्य

इकाई २ भारतीय साहित्य की अवधारणा स्वरूप एवं संभावना **श्रेयांक : ०१**

२.१ भारतीय साहित्य की अवधारणा

२.२ भारतीय साहित्य का स्वरूप एवं विशेषताएँ

२.३ भारतीय साहित्य में भारतीय मूल्य

२.४ भारतीय साहित्य का महत्त्व और संभावना

२.५ भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

इकाई ३ उपन्यासों में भारतीयता **श्रेयांक : ०१**

३.१ भारतीय उपन्यास की अवधारणा

३.२ भारत में उपन्यास का उद्भव और विकास

३.३ उपन्यासों में भारतीयता

३.४ भारतीय उपन्यासों की वर्तमान अवस्था

३.५ प्रमुख भारतीय उपन्यासकार - संक्षिप्त परिचय

इकाई ४ प्रमुख भारतीय उपन्यास **श्रेयांक - ०४**

४.१ ययाति (मराठी) - वि.स.खांडेकर - राजपाल प्रकाशन

४.२ मछुआरे (मलयालम) - तकषी शिवशंकर पिल्लै, साहित्य अकादमी

४.३ अंधे घोड़े का दान (पंजाबी) - गुरुदयाल सिंह, साहित्य अकादमी

प्रश्नपत्र : ३ (३.३)
भारतीयता एवं भारतीय साहित्य
द्वितीय सत्र

कुल श्रेयांक : ०४

इकाई ५ भारतीय नाट्य साहित्य **श्रेयांक : ०१**

५.१ भारत में नाट्यलेखन की परंपरा

५.२ भारतीय नाट्य लेखन की वर्तमान स्थिति

५.३ प्रमुख भारतीय नाट्य लेखक

५.४ भारतीय रंगमंच : वर्तमान स्थिति

५.५ प्रमुख भारतीय नाट्य संस्थान

इकाई ६ भारतीय नाटक **श्रेयांक - ०१**

६.१ पगला घोड़ा (बाङ्ला) - बादल सरकार, लोकभारती प्रकाशन

६.२ आगरा बाजार (उर्दू) - हबीब तनवीर, वाणी प्रकाशन

६.३ हयवदन (कन्नड) - गिरीश कारनाड, राजकमल प्रकाशन

इकाई ७ भारतीय कविता **श्रेयांक - ०१**

७.१ भारतीय काव्य परंपरा

७.२ आधुनिक भारतीय कविता

७.३ प्रमुख भारतीय कवियों का सामान्य परिचय

७.४ भारतीय कविता के मूल स्वर

७.५ भारतीय कविता की भारतीयता

इकाई ८ भारतीय काव्य-साहित्य **श्रेयांक - ०१**

८.१ रहमान राही की प्रतिनिधि कविताएँ (कश्मीरी) - सं. गौरीशरण रैणा, भारतीय ज्ञानपीठ

८.२ तीस कविता वर्ष (उड़िया) - सीताकांत महापात्र, भारतीय ज्ञानपीठ

८.३ कविता मेरी साँस (तेलुगु) - डॉ. सी. नारायण रेड्डी, भारतीय ज्ञानपीठ

संदर्भ ग्रंथ :

१. भारतीय साहित्य - इंद्रनाथ चौधरी

२. भारतीय साहित्य - संपा. डॉ. मूलचंद गौतम

३. भारतीय साहित्य - डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन

४. भारतीय साहित्य कोश- संपा. डॉ. नगेन्द्र

५. भारतीय साहित्य की पहचान - डॉ. सियाराम तिवारी

६. भारतीय भाषाओं के साहित्य का रुपदर्शन-लेखक, गौरीशंकर पंड्या

७. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ - रामविलास शर्मा

८. भारतीय साहित्य दर्शन - कृष्णलाल हंस

९. भारतीय उपन्यास - संपा. जगदीश चतुर्वेदी

१०. भारतीय साहित्य की भूमिका - रामविलास शर्मा

११. अखिल भारतीय साहित्य विविध आयाम- संपादक, सतीश कुमार रोहरा

१२. स्वातंत्र्योत्तर भारतीय साहित्य- केंद्रीय हिंदी निदेशालय शिक्षा विभाग

१३. भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक रेखाएँ- परशुराम चतुर्वेदी

१४. भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त इतिहास- संपादन, गोपाल शर्मा

१५. आज का भारतीय साहित्य - हिंदी अनुवाद, प्रभाकर माचवे

१६. भारतीय उपन्यास कथासार - प्रबंध संपा. डॉ. प्रभाकर माचवे

१७. ज्ञानपीठ पुरस्कार - संपा. रवींद्र कालिया

१८. भारतीयता की ओर - पवनकुमार वर्मा

१९. भारतीय परंपरा के मूल स्वर - डॉ. गोविंदचंद पांडेय

२०. हम हिंदुस्तानी - सुधीर कक्कड़

२१. भारतनामा - सुनील खिलनानी

२२. उर्दू साहित्य का इतिहास - बाबूराम सक्सेना

२३. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास - सं. डॉ. नगेंद्र

प्रश्नपत्र : ३ (३.४)

आधुनिक विश्व साहित्य

प्रथम सत्र **कुल श्रेयांक : ०४**

उद्देश्य : १. विश्व साहित्य से परिचय कराना

२. साहित्य तथा मानवीय संवेदनाओं की सार्वभौमिकता स्पष्ट करना

३. साहित्यिक स्तर पर विद्यार्थियों के बौद्धिक क्षितिज का विस्तार करना

४. साहित्य के माध्यम से विश्व मानव की अवधारणा स्पष्ट करना

इकाई १ : विश्व साहित्य की अवधारणा **श्रेयांक : ०१**

१.१ विश्व साहित्य की रूपरेखा

१.२ विश्व साहित्य और तुलनात्मक साहित्य

१.३ विश्व साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन

१.४ विश्व साहित्य का ऐतिहासिक संदर्भ

इकाई २ : आधुनिक विश्व की प्रमुख प्रवृत्तियाँ **श्रेयांक : ०१**

२.१ वर्ग संघर्ष (Class Conflict)

२.२ वर्ण संघर्ष (Racial Conflict)

२.३ लैंगिकता (Gender)

२.४ अंतर्राष्ट्रीयतावाद

इकाई ३ : आधुनिक अमरीकी साहित्य **श्रेयांक : ०१**

३.१ आधुनिक अमरीकी साहित्य : एक परिचय

३.२ एकांत के सौ वर्ष - गाब्रियल गार्शिया मार्खेज, राजकमल प्रकाशन

इकाई ४ : आधुनिक योरोपीय साहित्य **श्रेयांक : ०१**

४.१ आधुनिक योरोपीय साहित्य : एक परिचय

४.२ हैमलेट - शेक्सपीयर, विश्वबुक्स प्रकाशन

प्रश्नपत्र : ३ (३.४)

आधुनिक विश्व साहित्य

द्वितीय सत्र **कुल श्रेयांक : ०४**

इकाई ५ आधुनिक विश्व की प्रमुख प्रवृत्तियाँ **श्रेयांक : ०१**

५.१ नारीवाद

५.२ प्रवासी साहित्य

५.३ अस्तित्ववाद

५.४ उपनिवेशवाद

इकाई ६ आधुनिक रूसी साहित्य

श्रेयांक : ०१

६.१ रूसी साहित्य : एक परिचय

६.२ माँ - मैक्सिम गोर्की, प्रगति प्रकाशन

इकाई ७ आधुनिक अफ्रीकन साहित्य **श्रेयांक : ०१**

७.१ आफ्रिकन साहित्य : एक परिचय

७.२ फौज़ी लड़कीयाँ तथा अन्य कहानियाँ - चिनुआ अचेबे, राजकमल प्रकाशन

इकाई ८ आधुनिक एशियाई साहित्य

श्रेयांक : ०१

८.१ एशियाई साहित्य : एक परिचय

८.२ बस्ती - इंतजार हुसैन, राजकमल प्रकाशन

संदर्भ :

१. साहित्य सिद्धांत - रेनेवेलेक आस्टिन वारेन - अनु.बी.एस.पालीवाल

२. विश्व साहित्य की रूपरेखा - भगवतशरण उपाध्याय

३. विश्व इतिहास की झलक - पं. जवाहरलाल नेहरू

४. तुलनात्मक साहित्य - डॉ. नगेंद्र

५. सांस्कृतिक और राजनीतिक चिंतन के बुनियादी सरोकार - अंतोनियो ग्राम्शी

६. अस्तित्ववाद : किर्कगार्द से कामू तक - योगेंद्र शाही

७. शब्द - ज्याँ पाल सार्थ

८. मार्क्सवाद - यशपाल

९. स्त्री उपेक्षिता - सिमोन द बोउआ

१०. आधुनिक परिवेश और अस्तित्ववाद - डॉ. शिवप्रसाद सिंह

११. बधिया स्त्री - जर्मेन ग्रीयर

१२. पहला आदमी - अल्बैर कामू

प्रश्नपत्र : ३ (३.५)

रंगमंच सिद्धांत

प्रथम सत्र **कुल श्रेयांक : ०४**

उद्देश्य : १. रंगमंच के व्यावहारिक स्वरूप से परिचय कराना

२. विभिन्न रंगविधाओं का स्वरूप स्पष्ट करना

३. हिंदी रंगमंच की वर्तमान स्थिति से अवगत कराना

४. लोकप्रिय रंगकर्मियों तथा नाट्यसंस्थाओं का परिचय प्राप्त करना

५. रंगमंच के प्रति शोधार्थियों की अभिरुचि जागृत करना

इकाई १ भारतीय नाट्यरूप **श्रेयांक : ०१**

१.१ रूपक तथा उसके भेद

१.२ एकांकी

१.३ काव्य नाटक

१.४ रेडियो नाटक

१.५ नुक्कड़ नाटक

इकाई २ पाश्चात्य नाट्यरूप **श्रेयांक : ०१**

२.१ ट्रेजडी

२.२ कॉमेडी

२.३ ऑपेरा

२.४ मेलोड्रामा

२.५ फार्स

इकाई ३ नाट्यतत्व **श्रेयांक : ०१**

३.१ नाटक और रंगमंच अंत:संबंध

३.२ दृक श्राव्य समायोजन

३.३ नाट्यानुभूति

३.४ रंगानुभूति

३.५ रंगमंच योजना

इकाई ४ रंगकर्म **श्रेयांक : ०**

४.१ नाट्य लेखक

४.२ निर्देशक

४.३ अभिनेता

४.४ ध्वनि-प्रकाश योजना ४.५ नेपथ्य

प्रश्नपत्र : ३ (३.५)
रंगमंच सिद्धांत
द्वितीय सत्र

कुल श्रेयांक : ०४

इकाई ५ पारंपरिक रंगमंच — **श्रेयांक : ०१**

५.१ रामलीला-रासलीला

५.२ नौटंकी

५.३ बिदेसिया

५.४ भाँड़

५.५ स्वांग

इकाई ६ आधुनिक हिंदी रंगमंच — **श्रेयांक : ०१**

६.१ पारसी थियेटर

६.२ भारतेन्दुकालीन रंगमंच

६.३ इप्टा

६.४ पृथ्वी थियेटर

६.५ नया थियेटर (हबीब तनवीर)

इकाई ७ मुंबई के रंगमंच — **श्रेयांक : ०१**

७.१ एकजुट

७.२ यात्री

७.३ मोटली

७.४ अंक

७.५ रंगायन

इकाई ८ प्रमुख रंगकर्मी — **श्रेयांक : ०१**

८.१ पं. सत्यदेव दूबे

८.२ इब्राहीम अल्काजी

८.३ ब. व. कारंत

८.४ श्यामानंद जालान

८.५ दिनेश ठाकुर

संदर्भ ग्रंथ :

१. रंगमंच - बलवंत गार्गी

२. रंगमंच कला और दृष्टि - गोविंद चातक

३. रंगदर्शन - नेमिचंद जैन

४. रंगमंच देखना और जानना - लक्ष्मीनारायण लाल

५. भरत और भारतीय नाट्यकला - सुरेंद्रनाथ दीक्षित

६. नाट्यशास्त्र विश्वकोष - राधावल्लभ त्रिपाठी

७. रंगकर्म - वीरेंद्र नारायण

८. रंग-स्थापत्य - एच.वी.शर्मा

९. भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच - सीताराम चतुर्वेदी

१०. नाटक क्या है - श्यामानंद जालान

११. पारंपरिक भारतीय रंगमंच - कपिला वात्स्यायन

१२. परंपराशील नाट्य - जगदीशचंद्र माथुर

१३. कहानी का रंगमंच - देवेंद्र राज अंकुर

१४. पारसी हिंदी रंगमंच - लक्ष्मीनारायण लाल

१५. नाट्यसम्राट पृथ्वीराज कपूर - जानकी वल्लभ शास्त्री

१६. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच - लक्ष्मीनारायण लाल

१७. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच - नरेंद्र मोहन

१८. पहला रंग - देवेंद्र राज अंकुर

१९. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच - नेमिचंद जैन

२०. भिखारी ठाकुर : भोजपुरी के भारतेंदु - भगवत प्रसाद द्विवेदी

२१. कंटेम्प्ररी इंडियन थिएटर : इंटरव्युज़ विद प्लेराइट्स एंड डायरेक्टर्स - संगीत नाटक अकादमी

२२. थिएटर्स ऑफ इंडिपेंडेंस - अपर्णा भार्गव धारवाडकर

प्रश्नपत्र : ३ (३.६)

किन्नर अध्ययन

प्रथम सत्र **कुल श्रेयांक : ०४**

उद्देश्य : १. किन्नर समस्या का निदान प्रस्तुत करना

२. किन्नर समाज के प्रति जागरूकता निर्माण करना

३. हाशिए पर स्थित समाज को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास कर

४. शोधार्थियों को किन्नर अध्ययन के प्रति संवेदनशील और सजग बनाना

इकाई १ किन्नर **श्रेयांक : ०१**

१.१ अवधारणा एवं स्वरूप

१.२ किन्नर का जीव विज्ञान

१.३ किन्नर का समाजशास्त्र

१.४ किन्नर : इतिहास

१.५ किन्नर और साहित्य

इकाई २ किन्नर अध्ययन के आयाम **श्रेयांक : ०१**

२.१ मनोवैज्ञानिक

२.२ पारिवारिक

२.३ आर्थिक

२.४ राजनीतिक

२.५ सांस्कृतिक

इकाई ३-४ किन्नर साहित्य **श्रेयांक : ०२**

३.१ मैं हिजड़ा...मैं लक्ष्मी - लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी, वाणी पेपरबैक्स

४.१ जिंदगी- ५०-५० - भगवंत अनमोल - राजपाल प्रकाशन

प्रश्नपत्र : ३ (३.६)
किन्नर अध्ययन
द्वितीय सत्र

कुल श्रेयांक : ०४

इकाई ५ किन्नर जीवन **श्रेयांक : ०१**

५.१ किन्नर पूर्व अवस्था

५.२ किन्नर समाज

५.३ किन्नर संस्कार

५.४ किन्नर गुरु

५.५ किन्नर पर्व एवं उत्सव

इकाई ६ इक्कीसवीं सदी में किन्नर **श्रेयांक : ०१**

६.१ किन्नर और शिक्षा

६.२ किन्नर और नागरिक अधिकार

६.३ किन्नर और अपराध

६.४ किन्नर स्वास्थ्य

६.५ किन्नर और सिनेमा

इकाई ७-८ किन्नर साहित्य **श्रेयांक : ०२**

७.१ तीसरी ताली - प्रदीप सौरभ - वाणी प्रकाशन

८.१ अस्तित्व - गिरिजा भारती - विकास प्रकाशन

संदर्भ ग्रंथ :

१. थर्ड जेंडर और साहित्य - डॉ. एम. फिरोज़ खान

२. गुलाम मंडी -निर्मला भुराड़िया

३. सिनेमा की निगाह में थर्ड जेंडर - डॉ. एम. फिरोज़ खान

४. थर्ड जेंडर विमर्श - शरद सिंह

५. थर्ड जेंडर : आत्मकथा और जीवन संघर्ष - डॉ. एम. फिरोज़ खान

6. Human Rights of the third gender in India - Lopamudra Sengupta

8. Life of A Eunuch – Dr. Piyush Saxena

****